Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	30th August 2017

NBT
नवभारत टाइम्स

21वीं सदी में करियर पर हुई चर्चा

एनबीटी न्यूज, गुड़गांव : सनसिटी स्कूल ने प्रेजिडेंशल फोरम की पूर्व-सम्मेलन की मेजबानी की। इसमें शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका, यूरोप, मध्य-पूर्व और भारत से प्रसिद्ध शिक्षाविद और सरकारी अधिकारी सम्मिलित रहे। सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों की सफलता के लिए तैयार किए गए स्थायी और समावेशी परामर्श विधियों को संचालित करने वाले मुद्दों पर सहयोगी संवाद रखा गया। सेशन में 21वीं सदी में करियर के क्षेत्र में बदलते मुद्दों पर भी चर्चा की गई। डेनिसन विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध शिक्षाविद और प्रेजिडेंट डॉ. एडम वेनबर्ग ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	30th August 2017

अमर उजाला

करियर के बदलते क्षेत्र पर हुई चर्चा

गुरुग्राम। सनसिटी स्कूल ने मंगलवार को प्रेसिडेंशियल फोरम सम्मेलन में अमेरिका, चीन, दक्षिण पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और भारत से शिक्षाविदों ने भाग लिया। इसमें करियर के बदलते क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा हुई। सम्मेलन में प्रेसिडेंट, चांसलर, वाइस चांसलर सहित 12 सीनियर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। लॉ मार्टिनियर, शिव नादर स्कूल, महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, टेरी प्रकृति स्कूल आदि के 20-25 प्राचार्य, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापार संगठन के नेता मौजूद रहे। सत्र की शुरुआत ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के निदेशक अर्जुन पुरी के स्वागत से हुई। इसके बाद 21वीं सदी में कैरियर के क्षेत्र में बदलाव और बैलेंसिंग लिबरल आर्ट्स एजुकेशन एंड करियर रेडीनेस तथा वैश्विक भूमि समुदाय केंद्रित मनोदशा के साथ छात्रों की तैयारी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। ब्यूरो

Publication	Gurgaon Mail
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	30th August 2017

गुड़गांव मेल

सनसिटी स्कूल ने शिक्षाविदों के साथ बैठक की

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 29 अगस्त। सनसिटी स्कूल ने प्रेसिडेंसियल फोरम की पूर्व-सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका, यूरोप, मध्य-पूर्व और भारत से प्रसिद्ध शिक्षाविद तथा चयनित सरकारी अधिकारी सम्मिलित रहे।

सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों की सफलता के लिए तैयार किए गए स्थायी और समावेशी परामर्श विधियों को संचालित करने वाले मुद्दों पर सहयोगी संवाद रखा गया जिसके अंतर्गत शिक्षा के हितधारकों को एक साथ लाया गया। सत्र में 21वीं सदी में करियर के क्षेत्र में बदलते मुद्दों पर भी चर्चा की गई, जैसे कि उदार शैली कला शिक्षा में बढ़ती दिलचस्पी और सीमा-पार शैक्षिक भागीदारी।

डॉ. एडम वेनबर्ग, एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् और प्रेसिडेंट, डेनिसन विश्वविद्यालय ने प्रेसिडेंसियल फोरम में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रेसिडेंट, चांसलर, वाइस-चांसलर्स सहित लगभग 12 सीनियर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि ने इस सम्मलेन में भाग लिया इसके अलावा सम्मेलन में भाग लेने के लिए ला मार्टिनियर, शिव नादर स्कूल, महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, टेरी प्रकृति स्कूल, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापार संगठन के नेताओं जैसे स्कूलों के 20-25 वरिष्ठ प्राचार्य उपस्थित रहे ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के निदेशक अर्जुन पुरी के स्वागत के साथ इस सत्र की शुरुवात की गई। इसके बाद, विशेषज्ञों ने 21वीं सदी में कैरियर के क्षेत्र में बदलाव और बैलेंसिंग लिबरल आर्ट्स एजुकेशन एंड करिअर रेडीनेस तथा वैश्विक भूमि समुदाय केंद्रित मनोदशा के साथ छात्रों की तैयारी जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। लिबरल आर्ट्स एजुकेशन के सत्र के दौरान, ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक वाइस चांसलर प्रोफेसर सी राजकुमार ने कहा कि- लिबरल कला छात्रों को एक उज्ज्वल कैरियर बनाने का सुनेहरा अवसर प्रदान करेगी।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	30th August 2017

ह्यूमन इंडिया

शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञ गुडगांव में प्रेसिडेंसियल फोरम के लिए हुए एकत्रित

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। सनसिटी स्कूल ने प्रेसिडेंसियल फोरम की पूर्व-सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका, यूरोप, मध्य-पूर्व और भारत से प्रसिद्ध शिक्षाविद तथा चयनित सरकारी अधिकारी सम्मिलित रहे। सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों की सफलता के लिए तैयार किए गए स्थायी और समावेशी परामर्श विधियों को संचालित करने वाले मुद्दों पर सहयोगी संवाद रखा गया जिसके अंतर्गत शिक्षा के हितधारकों को एक साथ लाया गया। सत्र में 21वीं सदी में करियर के क्षेत्र में बदलते मुद्दों पर भी चर्चा की गई, जैसे कि उदार शैली कला शिक्षा में बढ़ती दिलचस्पी और सीमा-पार शैक्षिक भागीदारी। डॉ. एडम वेनबर्ग, एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् और प्रेसिडेंट, डेनिसन विश्वविद्यालय ने प्रेसिडेंसियल फोरम में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

प्रेसिडेंट, चांसलर, वाइस-चांसलर्स सहित लगभग 12 सीनियर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि ने इस सम्मलेन में भाग लिया इसके अलावा सम्मेलन में भाग लेने के लिए ला मार्टिनियर, शिव नादर स्कूल, महात्मा गांधी इंटरनेशनल

स्कूल, टेरी प्रक्रति स्कूल, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापार संगठन के नेताओं जैसे स्कूलों के 20-25 वरिष्ठ प्राचार्य उपस्थित रहे ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के निदेशक अर्जुन पुरी के स्वागत के साथ इस सत्र की शुरुवात की गईङ्घ इसके बाद, विशेषज्ञों ने 21वीं सदी में कैरियर के क्षेत्र में बदलाव और बैलेंसिंग लिबरल आर्ट्स एजुकेशन एंड करिअर रेडीनेस तथा वैश्विक भूमि समुदाय केंद्रित मनोदशा के साथ छात्रों की तैयारी जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। लिबरल आर्ट्स एजुकेशन के सत्र के दौरान, ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक वाइस चांसलर प्रोफेसर सी राजकुमार ने कहा कि- लिबरल कला छात्रों को एक उज्ज्वल कैरियर बनाने का सुनेहरा अवसर प्रदान करेगी। आज कल के दिनों में छात्र, माता-पिता और अन्य प्रासंगिक हितधारकों की मानसिकता ही सबसे बड़ी बाधा हैङ्घ भारत में, हम तीन सदियों में एक साथ ही रह रहे हैं, 19वीं, 20वीं और 21वीं सदी। विविधता और मिश्रित मानसिकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता हैङ्घ लिबरल आर्ट एजुकेशन का ढांचा आज की टेक्नोलॉजी है जो जीवन की गुणवत्ता को सुधरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अशोक विश्वविद्यालय के उप-कुलपति, विनीत गुप्ता ने कहा कि- लिबरल शब्द का लोगो ने गलत मतलब निकला हैङ्घ भारत में, लिबरल आर्टमानवता और सामाजिक विज्ञान के साथ ही कानून और प्रौद्योगिकी को नजरअंदाज कर रही है ।यह हमे यह भी समझने में मदद करता है कि - हमे संचार करने के बजाय कब सुनना शुरू करना हैङ्घ यह जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता भी विकसित हममे विकसित करता है।

सम्मलेन में अन्य उपस्थित लोगों में, इंडिया कौंसिल फॉर रिसर्च ओं इकनोमिक रेलातिओंस (आईसीआरईआर), बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्ष डॉ. इशेर जज अहलुवालिया; अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो वाईस चांसलर विनीत गुप्ता; मिसौरी यूनिवर्सिटी यूएस के वाइस प्रोवोस्ट डॉ जेम्स स्कॉट; कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, सांताक्रूज के एसोसिएटेड वाईस चांसलर मिशेल व्हिटिंगहम; अहमदाबाद यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर, प्रोफेसर पंकज चंद्रा;फिक्की भारत की सहायक महासचिव शोभा मिश्रा घोष; वेलेहम बॉयज़ स्कूल के अध्यक्ष दर्शन सिंह; बीएम मुंजाल यूनिवर्सिटी के डीन विशाल तलवार शामिल रहे। सनसिटी स्कूल की प्रिंसीपल रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि, प्रेसिडेंसियल फोरम की मेजबानी करना हमारे लिए गर्व की बात है इस कार्यक्रम में शिक्षा-क्षेत्र के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए प्रसिद्ध शिक्षाविदों को एक साथ लाया गया जिसका एक ही उद्देश्य है छात्रों की सफलता। सनसिटी स्कूल द्वारा आयोजित यह प्रेसिडेंसियल फोरम इ्ष्ट३ द्वारा आयोजित 2 दिवसीय सम्मेलन का एक हिस्सा है सम्मेलन में भारत में विद्यालयों को सक्षम करने के लिए बुनियादी सुविधाओं और नीतियों को स्थापित करने हेतु छात्रों को चुनने और उनसे करियर को सफल बनाने के लिए प्रयास करना है जो कि उनकी महत्वाकांक्षाओं और रुचियों के अनुरूप हैङ्घ इस सम्मेलन का नेतृत्व 27 हाई स्कूल के सलाहकारों ने कियाङ्घ इसके अलावा भारत के विभिन्न प्रधानाचार्य और दक्षिण-पूर्व एशिया के 5 देशों से 17 शहरों के प्रतिनिधित्व सम्मिलित हुए।